Khatu Mein Baitha Kanhaai | BY Chaman Lal Garg

चालो जी चालो भक्तों ग्यारस की रात है आई
खाटू में बैठा है कन्हाई चालो खाटू में बैठा है कन्हाई

ग्यारस में भक्तों ने अर्ज़ी लगाईं
सारी सारी रात जागे कृष्ण कन्हाई
खाटू में ग्यारस को होती सुनाई
पापों की प्राणो से होती विदाई
पग पग पर कीर्तन होते बाबा से प्रीत लगाईं
खाटू में बैठा है कन्हाई .....

मंदिर में बैठे बैठे नज़रें है सब पे
भक्तों की आँखों में लाखों हैं सपने
अर्ज़ी लगाईं भक्तों नज़रें मिला लो
बाबा के दर पे यहाँ झोली फैला लो
बोले ना बोले प्रेमी हारे को जीत दिलाई
खाटू में बैठा है कन्हाई .....

तेरा सीढ़ी जो चढ़ता मिलता उसी को
मोरछड़ी का झाड़ा लगता सभी को
कलयुग के स्वामी हैं ये बाबा हमारे
भक्तों की जीवन नैया इनके सहारे
कर लो जी अब तो भक्ति पंकज की आँखें भर आई
खाटू में बैठा है कन्हाई .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/khatu-mein-baitha-kanhaai-by-chaman-lal-garg/